विनियोग संख्या 67 – भारत का उच्चतम न्यायालय
APPROPRIATION No. 67 - SUPREME COURT OF INDIA

			कुल विनियोग Total appropriation	वास्तविक व्यय Actual expenditure	बचत– Saving -
					(हजार रुपयों में) (In thousands of rupees)
राजस्वः	**Revenue:**				
प्रभारित–	*Charged-*				
मूल	*Original*	*456,54,00*			
			507,96,00	*507,96,00*	..
पूरक	*Supplementary*	*51,42,00*			
वर्ष के दौरान अभ्यर्पित राशि	*Amount surrendered during the year*				*शून्य Nil*
पूंजीगतः	**Capital:**				
प्रभारित–	*Charged-*				
मूल	*Original*	*68,95,00*			
			98,09,00	*90,59,00*	*-7,50,00*
पूरक	*Supplementary*	*29,14,00*			
वर्ष के दौरान अभ्यर्पित राशि	*Amount surrendered during the year*				*7,50,00*

टीका और टिप्पणियां

1. *विनियोग* के पूंजीगत भाग में, कुल बचतें (*₹750.00 लाख*) दिसंबर, 2024 में प्राप्त किए गए *₹2914.00 लाख* के पूरक *विनियोग* का 26 प्रतिशत और कुल स्वीकृत *विनियोग* का 8 प्रतिशत थीं।

बचत निम्नलिखित मुख्य शीर्ष के अंतर्गत हुई:–

Notes and comments

1. In the capital section of the *appropriation*, the overall savings (*₹ 750.00 lakhs*) constituted 26 percent of the supplementary *appropriation* of *₹ 2914.00 lakhs* obtained in December, 2024 and 8 percent of the total sanctioned *appropriation.*

Savings occurred under the following major head:-

			कुल विनियोग Total appropriation	वास्तविक व्यय Actual expenditure	बचत– Saving -
					(लाख रुपयों में) (In lakhs of rupees)
शीर्ष	Head				
मुख्य शीर्ष "4075"	Major Head "4075"				
विविध सामान्य सेवाओं पर पूंजीगत परिव्यय	*Capital Outlay on Miscellaneous General Services*				
मू.	*O.*	*6895.00*			
पू.	*S.*	*2914.00*	*9059.00*	*9059.00*	..
पु.	*R.*	*-750.00*			

(I) "*निदेशन एवं प्रशासन – सचिवालय सामान्य सेवाएं*" के अंतर्गत *₹ 6895.00 लाख* के मूल *विनियोग* को *₹ 2914.00 लाख* का पूरक *विनियोग* प्राप्त करके बढ़ाकर *₹9809.00 लाख* कर दिया गया, तथापि, जो विक्रेताओं से बिल प्राप्त न होने के कारण *₹750.00 लाख* की सीमा तक अप्रयुक्त रह गया।

(I) Under *"Direction & Administration - Secretariat General Services"* - the original *appropriation* of *₹ 6895.00 lakhs* was augmented to *₹ 9809.00 lakhs* by obtaining supplementary *appropriation* of *₹2914.00 lakhs*, which, however remained unutilized to the extent of *₹750.00 lakhs* - due to non-receipt of bills from vendors.